1 देखें किधर से

0326CH01

हमारे शिक्षक ने हमें एक बार एक कार का चित्र बनाने के लिए कहा। हम सबने कार के अलग-अलग चित्र बनाए। अगले दिन, बड़े मज़े से हमने एक दूसरे को अपने बनाए हुए चित्र दिखाए। तभी अंशुल ने हँसना शुरू कर दिया। वह धीरज के बनाए कार के चित्र को देख रहा था।

अंशुल ने कहा – यह तो ऐसा लग रहा है जैसे एक बड़े बक्से में छोटा बक्सा रखा हो। फिर अंशुल ने धीरज को अपना बनाया हुआ चित्र दिखाया।

दोनों ने तस्वीर तो एक ही कार की बनाई थी लेकिन फिर भी उनके चित्र अलग-अलग दिख रहे थे।

धीरज ने कहा कि उसने कार को ऊपर छत से देखा । क्या तुम्हें लगता है कि उसका बनाया हुआ यह अजीबो-गरीब चित्र सही है?

- क्या तुमने कभी चीज़ों को अलग-अलग तरफ़ से देखा है? क्या ये चारों ओर से एक जैसी लगती हैं या अलग-अलग लगती हैं?

- इन चित्रों को देखो। किनारों से मेज़ कैसी दिखती है? कौन सा चित्र मेज़ को ऊपर से देखकर बनाया गया है?

नीचे कुछ चित्र बनाए गए हैं। ज़रा सोचो कि जब इन चीज़ों को ऊपर से देखेंगे तो ये कैसी दिखेंगी।

क्या ये कुछ इस तरह की दिखेंगी?

© NCERT not to be republished

चलो कुछ काम करें

क) एक बिल्ली एक कक्षा के अंदर झाँक रही है। वह कक्षा में शिक्षक/शिक्षिका को ढूँढ़ना चाहती है। क्या तुम उसकी कुछ मदद कर सकते हो?

ख) नीचे कुछ वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं। पता लगाओ कि किस ओर से देखने पर वे ऐसी दिखेंगी।

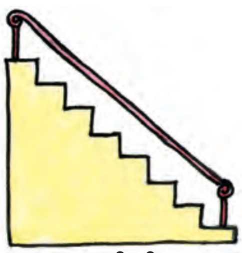

सीढ़ी

सीढ़ी

मेज़

कुर्सी

पेंसिल

बस

ग) कुछ चीज़ों को ऊपर से देखो। उनके चित्र बनाओ और अपने दोस्तों से पूछो कि वे किन चीज़ों के चित्र हैं।

© NCERT not to be republished

2020-21

रंगोली

नीचे दिए गए बिंदुओं की मदद से तुम भी रंगोली बनाने की कोशिश कर सकते हो। यहाँ रंगोली के दो चित्र दिखाए गए हैं।

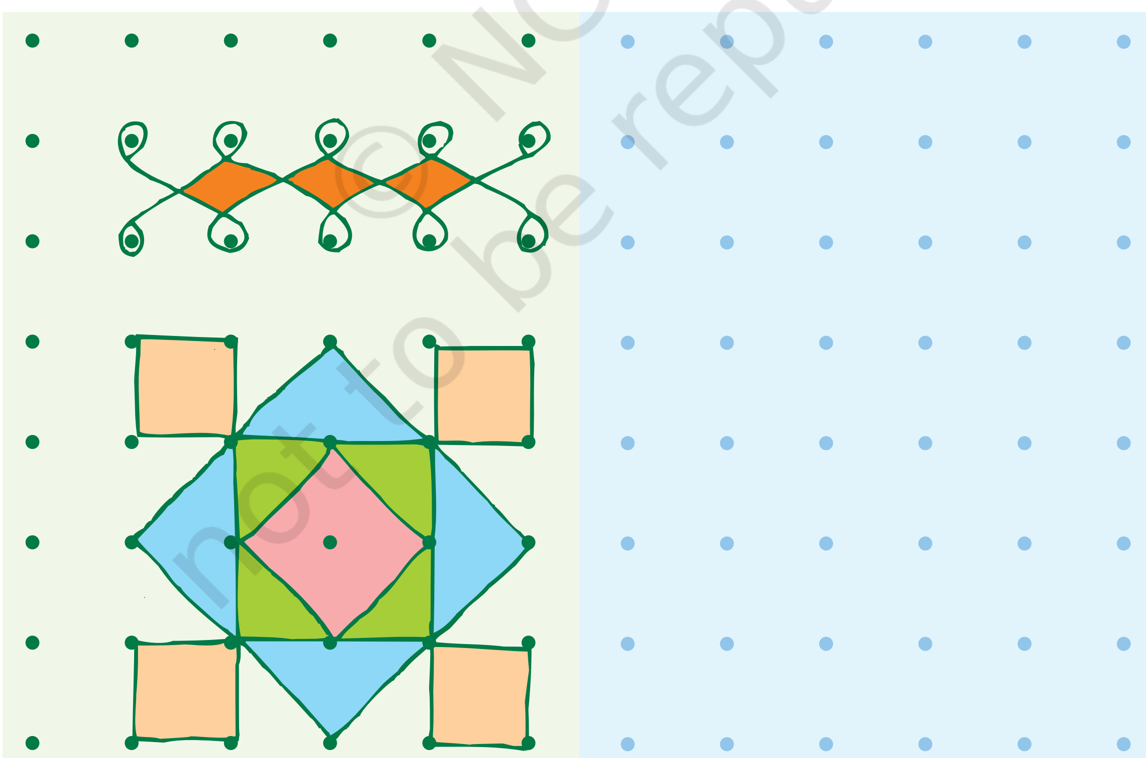

© NCERT not to be republished

तुम भी और डिज़ाइन बनाओ

1. नीचे दी गई खाली जगह में इन आकृतियों को फिर से बनाओ।

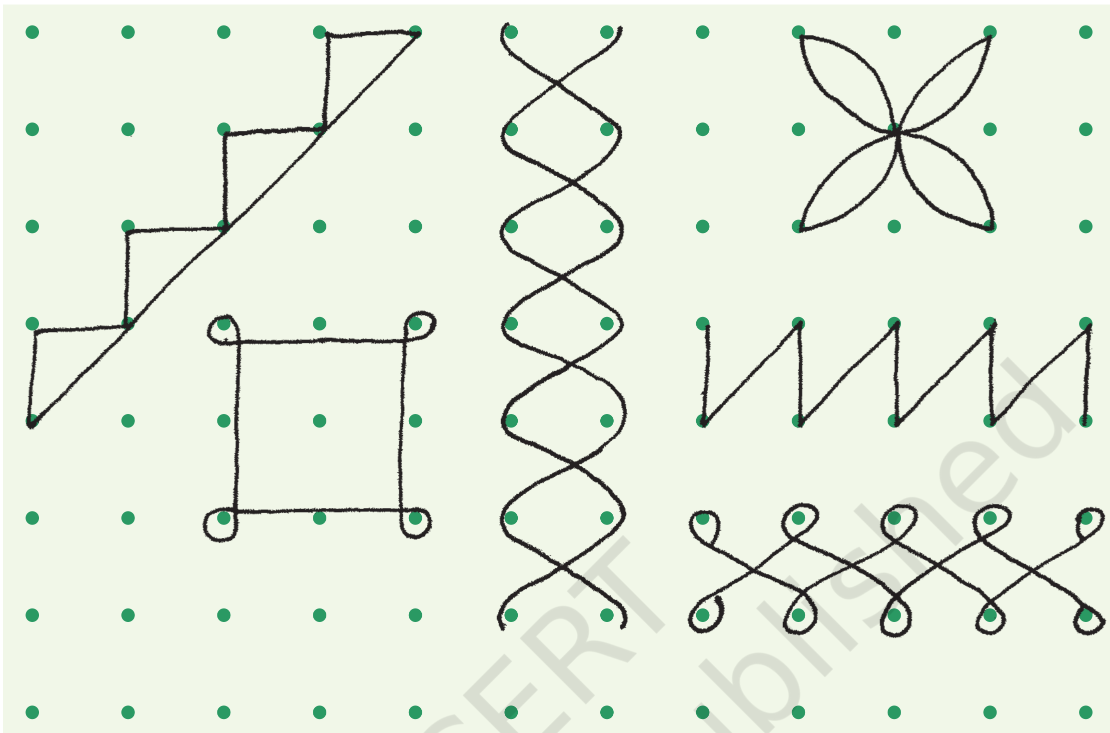

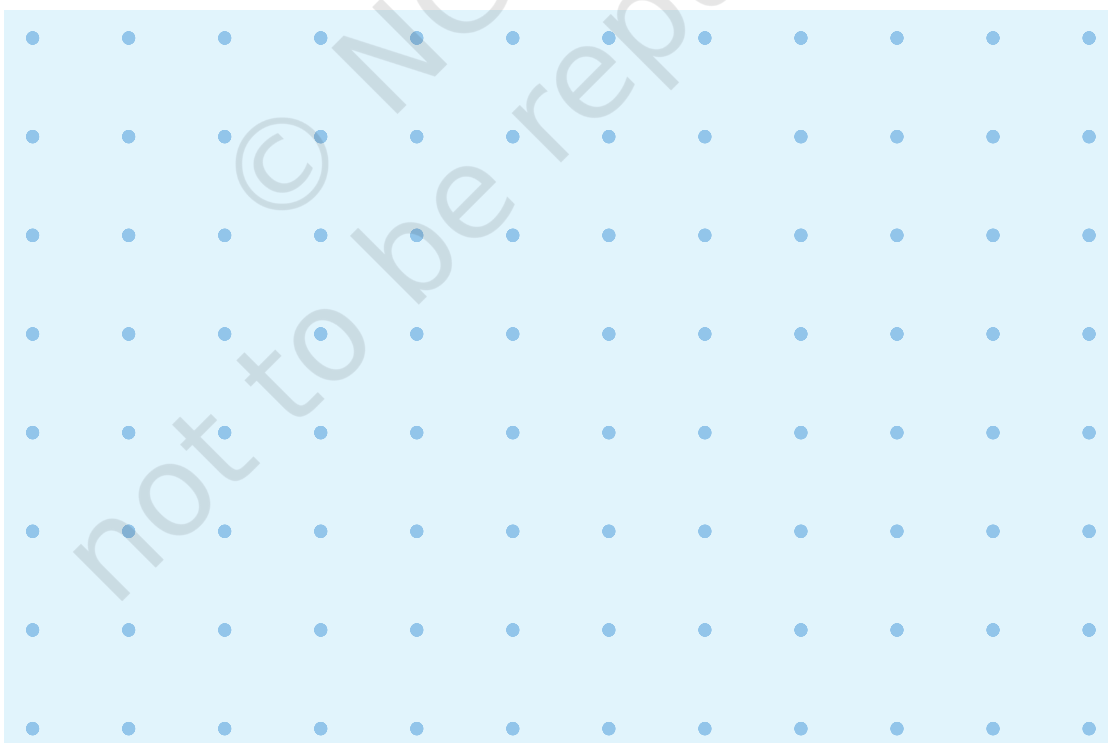

© NCERT not to be republished

2. बिंदुओं से अपनी पसंद की आकृतियाँ और डिज़ाइन बनाओ।

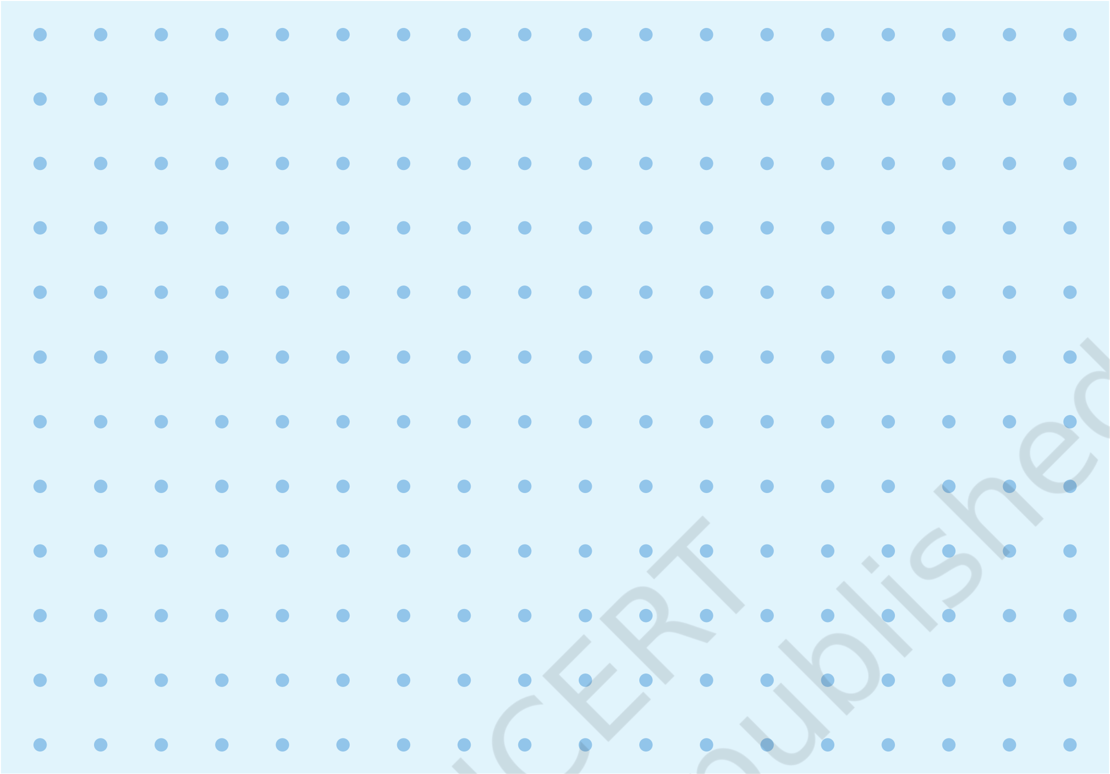

3. नीचे छः अधूरे वर्ग और आयत हैं, बिंदुओं को मिलाते हुए उन्हें पूरा करो।

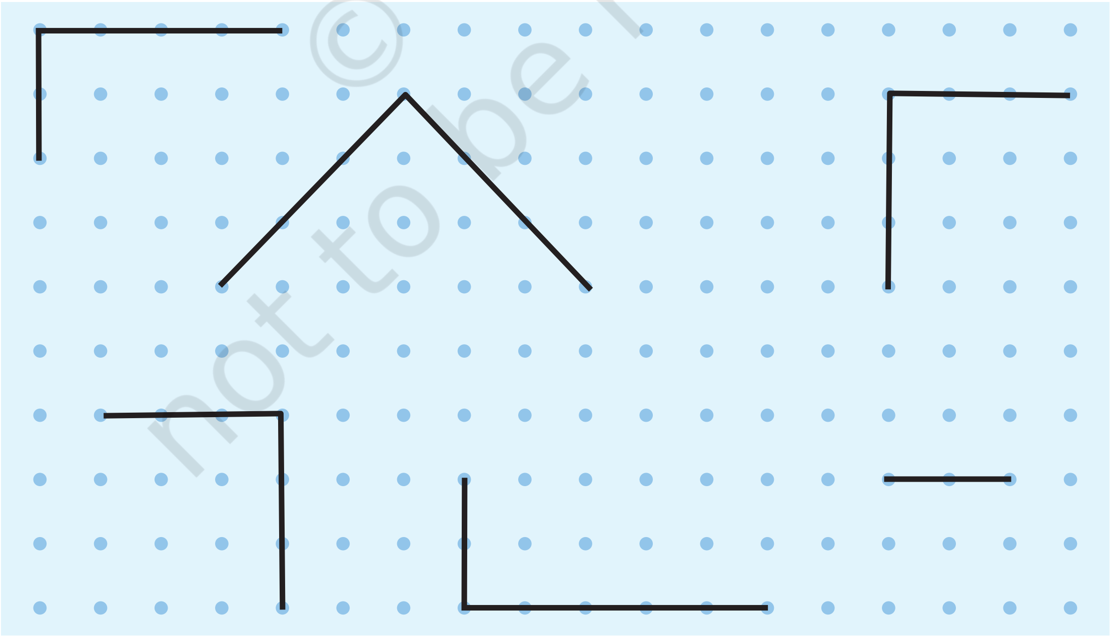

© NCERT not to be republished

4. नीचे दिए बिंदुओं का इस्तेमाल करते हुए बनाओ –

अ) एक पतंग ब) एक पत्ता स) एक फूल

द) एक नाव य) एक तारा र) एक बर्तन

© NCERT not to be republished

किसी चीज़ को कहाँ से देखा गया है, चित्र उसी हिसाब से बनता है। शुरू के पन्नों में यही दिखाया गया है। किसी ठोस वस्तु के तीन आयाम होते हैं। जब उसका चित्र बनाते हैं तो उसे दो आयामों में बाँधना होता है। बिंदुओं के 'ग्रिड' पर आकृतियाँ बनाने से समरूपता की समझ विकसित होगी। समरूपता मतलब समान रूप। चित्र को घुमाने, खिसकाने या आइने में देखने पर कैसे समरूपता दिखाई देती है इस बात को अध्याय पाँच और दस में भी लिया गया है।

जैसे को तैसा

एक दिन अमीना एक चित्रकार से मिली।

कुछ समय बाद चित्रकार ने उसे अपना बनाया हुआ चित्र दिखाया।

अमीना ने उसे 100 रुपए का एक नोट दिया।

© NCERT not to be republished

चित्रकार ने कई चित्र बनाए जिसमें उसने उन चीज़ों के आधे हिस्से को ही बनाया। इन चित्रों के बाकी बचे हिस्सों को बनाओ और बताओ कि ये किन चीज़ों के चित्र हैं। इसके लिए आइने की मदद ली जा सकती है।

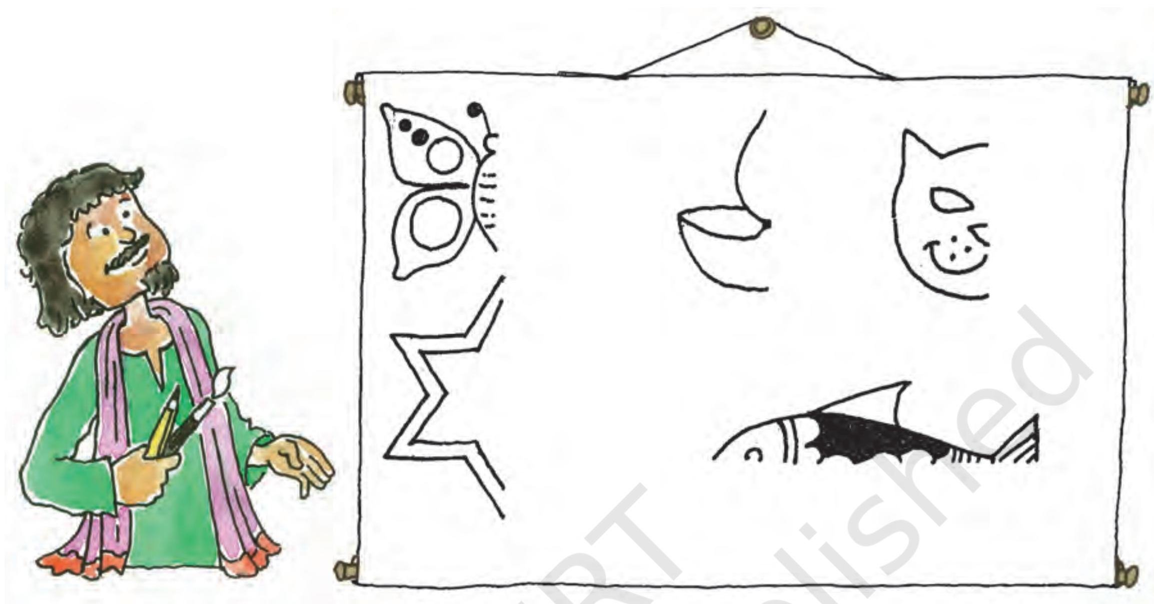

क्या हम नीचे दी गई वस्तुओं के चित्र बनाते समय चित्रकार का तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं?

तुम चित्रकार को ऐसी चीज़ों के चित्र बनाने के लिए कहो जिन्हें एक जैसे दो बराबर हिस्सों में न बाँटा जा सके। तो अब उसका आइने वाला उपाय नहीं चल पाएगा। तीन और ऐसी वस्तुओं के चित्र बनाओ जिन्हें आइने की तस्वीर की तरह दो बराबर हिस्सों में न बाँटा जा सके।

© NCERT not to be republished

आइने से पूरा होने वाला आधा हिस्सा

इन तस्वीरों को देखो। बिंदु वाली रेखा पर आइना रख कर देखने पर क्या आधा हिस्सा ऐसा ही दिखेगा जैसा कि चित्र में दिखता है?

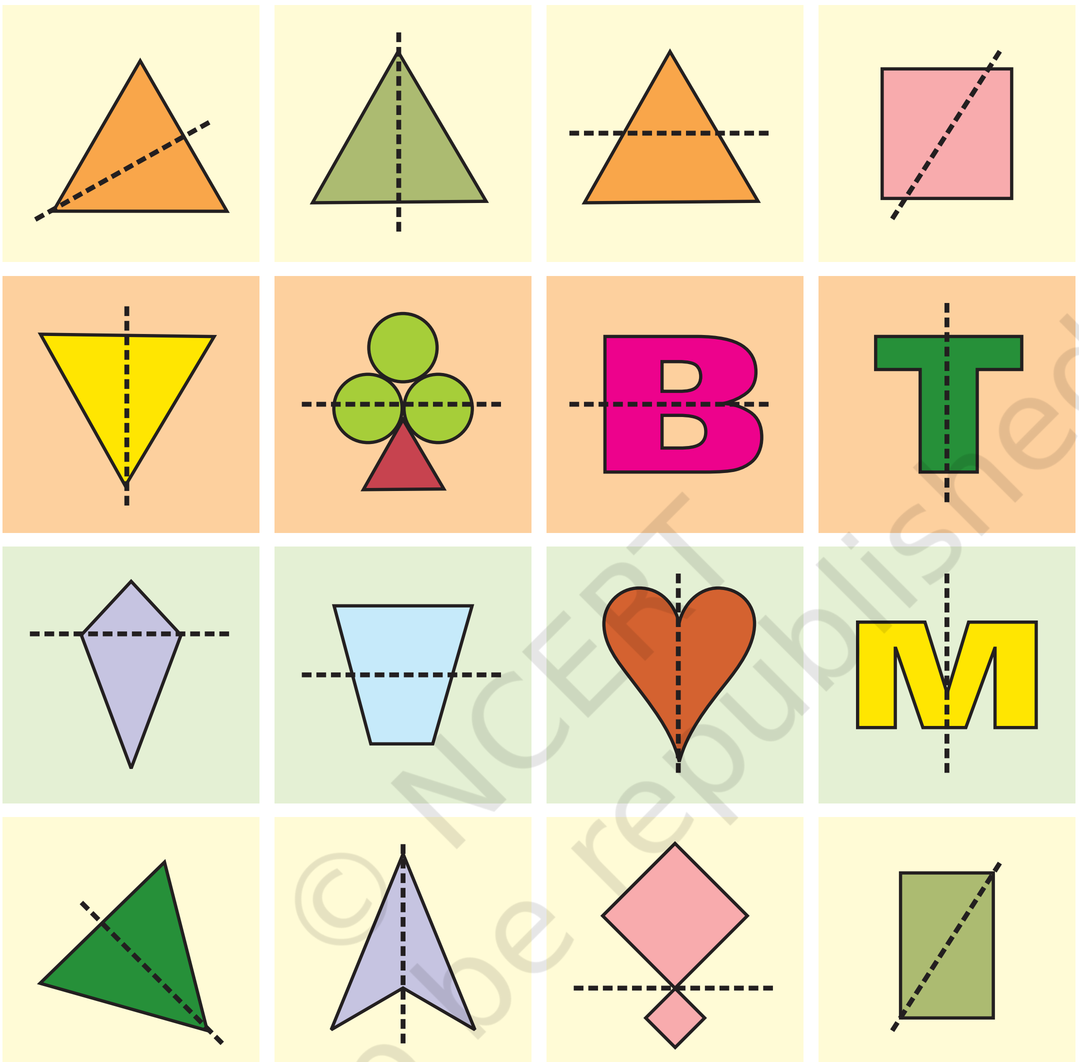

कुछ और उदाहरण दो।

दी गई दो आयतों को, बिंदु वाली रेखा एक जैसे दो हिस्सों में बाँटती है। लेकिन देखिए कि ये हिस्से आइने से पूरे होने वाले आधे हिस्से की तरह नहीं हैं।

© NCERT not to be republished

क्या तुम नीचे दिए गए चित्रों को बिंदुओं वाली रेखा की मदद से दो एक जैसे बराबर भागों में बाँट सकते हो?

© NCERT not to be republished

इन अक्षरों को इस्तेमाल करके हम ऐसे शब्द भी बना सकते हैं जिन्हें दो समान भागों में बाँटा जा सकता है।

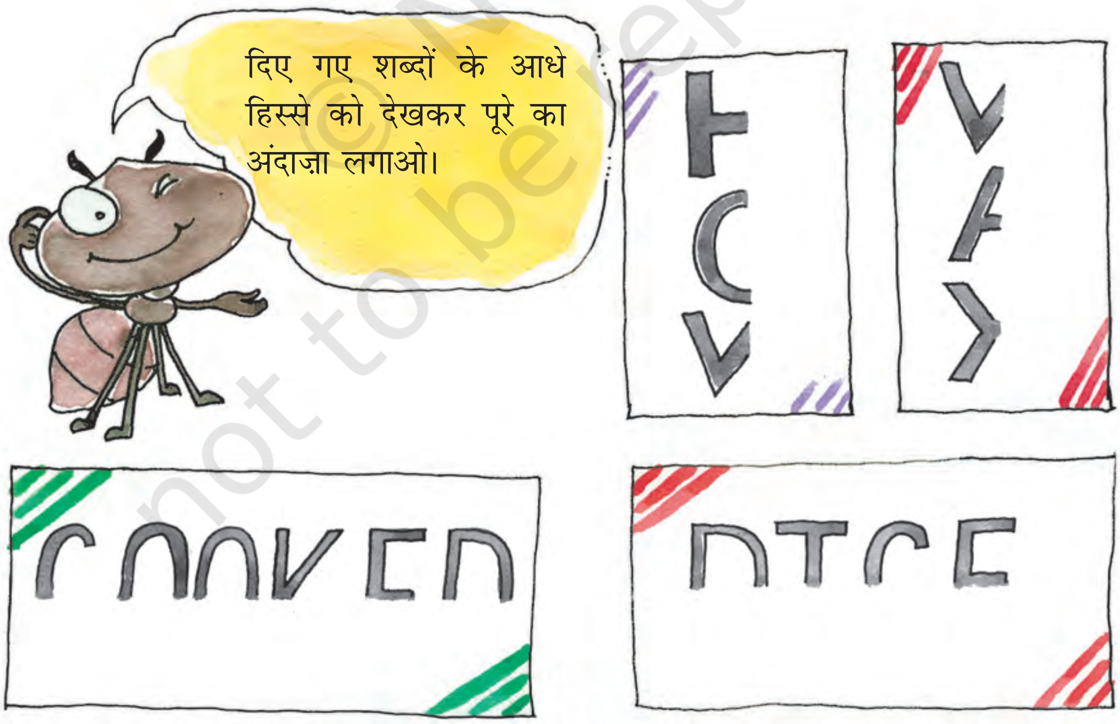

© NCERT not to be republished

मुखौटा बनाना

नीचे दिए गए चित्रों का सहारा लेकर तुम कुछ और मुखौटे बना सकते हो।

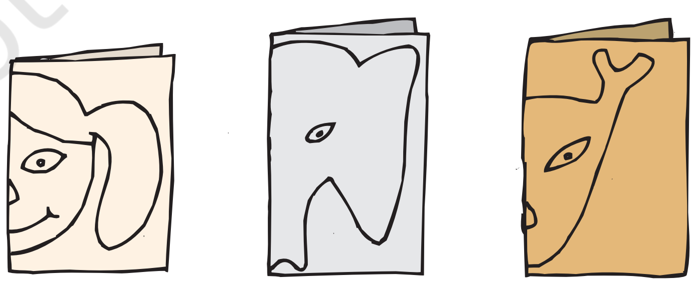

© NCERT not to be republished